www.mpboardonline.com

BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– XI परीक्षा : हायर सेकण्डरी पूर्णांक :– 100

विषय :– पुस्तपालन एवं लेखाकर्म समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 अंक	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
				4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1.	लेखांकन	05	1	1	–	–	1
2.	लेखांकन की मूलभूत मान्यतायें एवं सिद्धांत	05	1	1	–	–	1
3.	व्यावसायिक सौदे	05	1	1	–	–	1
4.	दैनिक पंजी एवं सहायक वहियाँ	10	1	1	1	–	2
5.	खाताबही	05	1	1	–	–	1
6.	बैंक समाधान विवरण	05	–	–	1	–	1
7.	तलपट एवं अशुद्धियों का संशाधेन	10	4	–	–	1	1
8.	विनियम विपत्र एवं प्रतिज्ञा पत्र	05	–	–	1	–	1
9.	ह्रास (स्थायी व क्रमागत दोष पद्धति)	05	–	–	1	–	1
10.	आयोजन व संचय	05	–	–	1	–	1
11.	वित्तीय विवरण	10	4	–	–	1	1
12.	गैर व्यापारिक संस्थाओं में लेखांकन	10	4	–	–	1	1
13.	अपूर्ण लेखों से खाते बनाना	10	4	–	–	1	1
14.	भारतीय बहीखाता प्रणाली	10	4	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25) = 5**	**05**	**05**	**05**	**15+5=20**

निर्देश :–

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, एक शब्द में उत्तर, जोड़ी बनाना तथा सही विकल्प का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

आदर्श प्रश्न-पत्र

विषय - पुस्तपालन एवं लेखाकर्म

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न क्रमांक 6 से 20 तक में आन्तरिक विकल्प हैं।

(2) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, जोड़ी बनाईये, सत्य/असत्य एवं सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(3) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

(4) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(5) प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए –

(i) वस्तुओं तथा सेवाओं का क्रय विक्रय जो लाभ कमाने के लिए किया जाता है, कहलाता है :– 1

(अ) व्यवसाय (ब) व्यापार

(स) पेशा (द) फर्म

(ii) यदि तमाम प्रयासों के बाद भी तलपट का योग नहीं मिलता तो अन्तर की राशि से खोला जायेगा। 1

(अ) क्रय खाता (ब) उचन्त खाता

(स) विक्रय खाता (द) चिट्ठा

(iii) व्यापार खाता से ज्ञात होती है – 1

(अ) सकल लाभ (ब) सकल हानि

(स) शुद्ध लाभ (द) सकल लाभ एवं सकल हानि

(iv) दायित्व एवं सम्पत्तियाँ क्रमशः 50,000 रूपये व 78,000 रूपये हैं। अन्तर की राशि होगी। 1

(अ) लेनदार (ब) ऋण पत्र

(स) लाभ (द) पूँजी

(v) महाजनी पद्धति में उधार क्रय लिखा जाता है –

(अ) जमा नकल बही में (ब) नाम नकल बही में

(स) बन्द बही में (द) जाकड़ बही में

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :– 5

(अ) कच्ची रोकड़ बही में .... सले होती है।

(ब) जमा नकल बही में माल खाते के साथ .... शब्द लिखा जाता है।

(स) नाम नकल बही में .... सले होती है।

(द) माल का दान .... खाता में क्रेडिट किया जाता है।

(इ) इकहरा प्रणाली में केवल व्यक्तिगत् व .... के लिए लेखे रखे जाते हैं।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइये – 5

(अ) गैर व्यापारिक संस्थाओं का मूल उद्देश्य	(i) प्राप्ति भुगतान खाते की सहायता से तैयार किया जाता है
(ब) प्राप्ति भुगतान खाता	(ii) अदत्त व्यय है।
(स) आय व्यय खाता	(iii) वैज्ञानिक प्रणाली नहीं है।
(द) चालू वर्ष में जिन व्ययों का भुगतान नहीं किया गया है वे	(iv) रोकड़ बही का सारांश है।
(इ) इकहरा लेखा प्रणाली हिसाब किताब रखने की	(v) लाभ कमाना नहीं होता है।

प्रश्न 4. एक शब्द में उत्तर दीजिये। 5

(अ) ऐसी लेखा पद्धति जो दोहरी लेखा प्रणाली पर आधारित नहीं होती उसे कहते है।

(ब) एकल प्रविष्ठि प्रणाली में कौन से खाते रखे जाते है।

(स) दो पक्षों के मध्य होने वाला मौद्रिक व्यवहार कौन सा लेनदेन है।

(द) विक्रय खाता सदैव होता है।

(इ) व्यक्तिगत खाते का डेबिट शेष कहलाते है।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य बताइये। 5

(अ) अंतिम स्कंध तलपट के बाहर प्रदर्शित किया जाता है।

(ब) तलपट का मेल खाना खाताबही की शुद्धता की अकाद्य प्रमाण नहीं है।

(स) परीक्षा सूची हिसाब की केवल गणित संबंधी परिशुद्धता का प्रमाण है।

(द) चिट्ठा से व्यापार की आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त नहीं होती है।

(इ) व्यापार खाते में समस्त अप्रत्यक्ष व्ययों को लिखा जाता है।

प्रश्न 6. व्यापारिक बट्टे एवं नगद बट्टे में कोई तीन अन्तर लिखिए। 4

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

अथवा

प्रमाणक का प्रारूप बनाइये।

प्रश्न 7. चालू व्यवसाय की मान्यता से आप क्या समझते हैं ? 4

अथवा

लेखांकन के आधारभूत सिद्धान्त बताइये।

प्रश्न 8. दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताएँ लिखिए। 4

अथवा

दोहरा लेखा प्रणाली के दोष बताइये।

प्रश्न 9. क्रय बही में किन व्यवहारों का लेखा नहीं किया जाता ? 4

अथवा

रोकड़ बही के प्रकार लिखिए।

प्रश्न 10. खतौनी करने के नियम संक्षेप में लिखिए। 4

अथवा

खाताबही का महत्व बताइये।

प्रश्न 11. निम्नलिखित व्यवहारों को भोपाल में व्यापारी ऋषभ कुमार की दैनिक पंजी में लिखिए। 5

2006 जनवरी

1 – व्यापार प्रारंभ किया – माल 91,500 रूपये तथा नकद 22,500 रूपये से।

6 – सुरेश से 10% व्यापारिक छूट तथा 5% नकद छूट पर 4,000 रूपये का माल नकद खरीदा।

15 –निजि प्रयोग हेतु 100 रू. का माल और 200 रूपये रोकड़ से निकाले।

25 –सोनू को नकद माल बेचा 24,000 रूपये।

31 –ऋचा को वेतन दिया – 8,000 रूपये

अथवा

जर्नल के कोई पाँच लाभ लिखिए।

प्रश्न 12. बैंक समाधान विवरण किसे कहते हैं ? यह क्यों बनाया जाता है ? 5

अथवा

निम्नलिखित सूचनाओं से 31 मार्च, 2007 को बैंक समाधान विवरण बनाइए –

(i) रोकड़बही अनुसार बैंक शेष 9,750 रू.।

(ii) 25 मार्च को 500 रू. का एक चेक बैंक में जमा किया गया जिसका संग्रहण 2 अप्रैल को हुआ।

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

(iii) 26 मार्च को विजय को जारी किया गया 1,000 रू. का चेक भुगतान हेतु 4 अप्रैल को प्रस्तुत किया गया।

(iv) एक ग्राह ने 400 रू. सीधे बैंक में जमा किये जिसकी सूचना 5 अप्रैल को प्राप्त हुई।

(v) बैंक ने 700 रू. बीमा प्रीमियम के दिये जिसका लेखा रोकड़बही में नहीं किया गया।

प्रश्न 13. विनिमय विपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र में अन्तर लिखिए। 5

अथवा

1 जनवरी 2007 को जय ने विजय से 1,000 रूपये का माल खरीदा। दूसरे दिन आधा धन नकद देकर शेष राशि के लिए बिल पर 2 माह की स्वीकृति दी। 4 फरवरी को विजय ने इसे 5% (प्रतिशत) बट्टे पर भुना लिया। देय तिथि पर जय ने अपनी स्वीकृति चुका दी।

विजय एवं जय की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्रश्न 14. मूल्यह्रास की उत्पत्ति के कारणों को समझइये। 5

अथवा

एक कम्पनी ने 1 जनवरी 2004 को 30,000 रूपये की एक मशीन खरीदी। इसी वर्ष 1 जुलाई को एक और नई मशीन 10,000 रूपये में खरीदी जिसकी स्थापना पर 2,000 रूपये खर्च किये गये। 1 जुलाई 2006 को कम्पनी ने 1 जनवरी 2004 को खरीदी हुई मशीन अप्रचलित हो जाने के कारण 14,000 रूपये में बेच दी।

प्रत्येक वर्ष 31 दिसम्बर को सम्पत्ति की मूल लागत पर 10% वार्षिक दर से ह्रास लगाया जाता है। 2004 से 2006 तक का मशीन खाता बनाइये।

प्रश्न 15. आयोजन व संचय में अन्तर बनाइये। 5

अथवा

31 दिसम्बर 2006 को एक व्यापारी के तलपट में निम्नलिखित मदें प्रदर्शित है –

देनदार – 20,000 रूपये

डूबत ऋण – 2,000 रूपये

आपको देनदारों पर 5: संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन करना है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए व मदों को लाभ–हानि खाते व चिट्ठे में प्रदर्शित कीजिए।

प्रश्न 16. ''तलपट खाताबही की शुद्धता का अकाट्य प्रमाण नहीं है'' समझाइये। 6

अथवा

निम्नांकित शेषों से एक व्यापारी का तलपट 31 दिसम्बर 2006 को बनाइये –

बिके हुए माल की लागत – 1,50,000 रूपये

देनदार – 60,000 रूपये

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

लेनदार	– 30,000 रूपये
स्थायी सम्पत्तियाँ	– 50,000 रूपये
व्यय	– 20,000 रूपये
बिक्री	– 2,00,000 रूपये
पूँजी	– 91,000 रूपये
आहरण	– 1,000 रूपये
प्रारम्भिक रहतिया	– 40,000 रूपये

प्रश्न 17. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (कोई – 3) 6

(i) अदत्त व्यय

(ii) पूर्वदत्त व्यय

(iii) उपर्जित व्यय

(iv) अनुपार्जित व्यय

अथवा

निम्नलिखित तलपट से एक व्यापारी का 31.12.2006 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अंतिम खाते तैयार कीजिए।

Dr. **तलपट** Cr.

विवरण	राशि (रू. में)	विवरण	राशि (रू. में)
अंतिम स्कंध	10,000	पूँजी	20,000
देनदार	8,000	लेनदार	4,000
स्थायी सम्पत्तियाँ	15,600	सामान्य संचय	4,000
अप्रत्यक्ष व्यय	4,600	विक्रय	60,000
रोकड़	12,200	अदत्त मजदूरी	400
बेचे गये माल की लागत	38,000		
	88,400		**88,400**

समायोजन –

(1) डूबत ऋणों के लिए देनदारों पर 10% आयोजन कीजिए।

(2) 400 रूपये स्टॉफ बोनस कोष में हस्तान्तरित कीजिए।

(3) 6,000 रूपये सामान्य संचय में हस्तान्तरित कीजिए।

प्रश्न 18. गैर व्यापारिक संस्थाओं के आय के स्त्रोतों का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

31 दिसम्बर 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष के एक साहित्य समिति के निम्नलिखित प्राप्ति एवं भुगतान हैं –

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

प्राप्त चन्दा – 1,100 रूपये
विनियोग पर ब्याज – 380 रूपये
भाषण से आय – 2,320 रूपये
किराया दिया – 210 रूपये
फुटकर व्यय – 100 रूपये
विज्ञापन व्यय – 210 रूपये
छपाई व्यय – 125 रूपये

समिति के पास नेशनल लायब्रेरी के 1000 रूपये वाले दस 4% ऋणपत्र है। 31 दिसम्बर 2006 को किराये के 80 रूपये तथा छपाई के 95 रूपये अदत्त हैं।

आय–व्यय खाता बनाइये।

प्रश्न 19. अवस्था विवरण व चिट्ठे में अन्तर लिखिए। 6

अथवा

अपूर्ण लेखा प्रणाली की सीमाएं लिखिए ।

प्रश्न 20. भारतीय बहीखाता प्रणाली की लोकप्रियता के कारण लिखें। 6

अथवा

निम्न व्यवहारों को लेकर कच्ची रोकड़बही बनाइये –
इन्दौर के सर्वश्री डॉ0 अनिल का निति चैत्र सुदी ? संवत 2063 बुधवार दिनांक 28 अक्टूबर 2006 को रोकड़ बाकी रू. 675 थी उस दिन उन्होंने श्री टी. अभय को रू. 250 चुकाये एवं रू. 300 श्री श्याम मनोहर से पाये। उन्होंने रू. 120 का माल श्री गोपाल को नकदी बेचा। रू. 35 एक नौकर को माह फागुन संवत 2063 का वेतन चुकाया। रू. 338 का माल श्री मुरारीलाल से उधार खरीदा।

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

आदर्श उत्तर

विषय - पुस्तपालन एवं लेखाकर्म

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

उत्तर. 1 **5 अंक**

(i) ब–व्यापार (ii) ब–उचन्त खाता

(iii) द–सकल लाभ एवं सकल हानि (iv) द–पूंजी

(v) अ–जमानकल बही में

उत्तर. 2 **5 अंक**

(अ) **आठ** (ब) **नाम**

(स) **छः** (द) **क्रय** (इ) **रोकड़**

उत्तर. 3 **5 अंक**

(अ – V) (ब – IV)

(स – I) (द – II) (इ – III)

उत्तर. 4 **5 अंक**

(अ) अपूर्ण लेखा प्रणाली या एकल प्रविष्ठि प्रणाली

(ब) रोकड़ एवं व्यक्तिगत खाते (स) वित्तीय

(द) जमा (इ) देनदार

उत्तर. 5 **5 अंक**

(अ) सत्य (ब) सत्य

(स) सत्य (द) असत्य (इ) असत्य

उत्तर 6. **4 अंक**

अ.	व्यापारिक बट्टा	नकद बट्टा
(1) उद्देश्य	विक्रय बढ़ाना	शीघ्र भुगतान प्रदान
(2) लेखा	बहियों में नहीं किया जाता	बहियों में लेखा होता है।
(3) अवधि या समय	माल क्रय करते समय दिया जाता है।	भुगतान करते समय दिया जाता है।

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

अथवा

M/s Prashant & Brothers Bhopal.

Cash Voucher

Voucher No. Dated ....

Received Rupees ......

Debit	Amount Rs.
....	
.... Total Rs.	
Debit	Amount Rs.
....	
.... Total Rs.	

Accountant Manager Proprietor

उत्तर 7. व्यापार लम्बे समय तक चलता रहेगा और बन्द नहीं होगा। क्योंकि दीर्घकालीन व्यापार में विनियोजक धन लगाने के लिए आतुर रहता है। सम्पत्ति पर घिसावट अवधि के आधार पर लगाई जाती है। **4 अंक**

अथवा

लेखांकन के आधारभूत सिद्धान्त –

1. द्विपक्षीय सिद्धान्त
2. जाँच करने योग्य बाह्य प्रमाण का सिद्धान्त
3. ऐतिहासिक लागत सिद्धान्त
4. आगम निर्धारण सिद्धान्त
5. मिलान सिद्धान्त

उत्तर 8. दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताएं – **4 अंक**

(1) दो पक्ष
(2) न्याय संगत
(3) पूर्ण वैज्ञानिक प्रणाली
(4) लाभ–हानि का ज्ञान
(5) खातों का वर्गीकरण

अथवा

दोहरा लेखा प्रणाली के दोष –

1. छोटे एवं अशिक्षित व्यापारी के लिए अनुपयुक्त
2. अधिक खर्चीली
3. नियमों की क्रियाशीलता में कठिनाई
4. भ्रामक निष्कर्ष की आशंका
5. त्रुटियों का पता लगाना कठिन।

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

उत्तर 9. क्रय बही में लेखा नहीं किया जाता – **4 अंक**

(1) प्रेषण पर भेजे गये माल का

(2) पसंदगी की शर्त पर भेजे गये माल का

(3) सम्पत्तियाँ के क्रय का।

अथवा

रोकड़ बही के प्रकार –

1. साधारण रोकड़ बही
2. द्वि–स्तम्भीय रोकड़ बही
3. त्रिस्तम्भीय रोकड़ बही
4. लघु रोकड़ बही

उत्तर 10. खतौनी करने के नियम – **4 अंक**

(1) खतौनी का आधार

(2) पृथक खाते खोलना

(3) एक नाम का एक ही खाता

(4) संबंधित खाते के प्रभावित पक्ष में खतौनी करना।

(5) से ज्व और 'को' ठल का प्रयोग

(6) पृष्ठ संख्या लिखना

(7) दिनांक तथा राशि।

अथवा

खाताबही का महत्व –

1. सम्पूर्ण जानकारी की प्राप्ति
2. समय की बचत
3. सौदों को देखने में सुविधा
4. गणितीय शुद्धता की जाँच

उत्तर 11. ऋषभ कुमार की पंजी – **4 अंक**

तिथि	विवरण	खाता पृष्ठ	विफलन राशि	समाकलन राशि
2006 जनवरी			Rs.	Rs.
1	स्कंध खाता नाम		91,500	–
	रोकड़ खाता नाम		22,500	–
	पूँजी खाते से (व्यापार प्रारंभ किया)		–	1,14,000

www.mpboardonline.com

6	क्रय खाता नाम		3,600	–
	रोकड़ खाते से		–	180
	बट्टा खाते से		–	3,420
	(4000/का 15 माल 10% व्या. छूट तथा 5% नकद छूट पर खरीदा)			
15	आहरण खाता नाम		300	
	क्रय खाते से		–	100
	रोकड़ खाते से		–	200
	(माल एवं रोकड़ निकाले)			
25	रोकड़ खाता नाम		24,000	
	विक्रय खाते से			24,000
	(नकद माल बेचा)			
31	वेतन खाता नाम		8,000	
	रोकड़ खाते से		–	8000
	(वेतन दिया)			
	महायोग		**1,49,900**	**1,49,900**

उत्तर 12. रोकड़ बही एवं पासबुक के शेष में अन्तर के कारण एवं समाधान हेतु बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है बैंक समाधान विवरण एक विवरण है जो मुख्यतः पास बुक के शेष का रोकड़ बही से मिलान के लिए तैयार किया जाता है। (किन्ही 3 कारणों का विस्तार अपेक्षित है) **3 अंक**

अथवा

बैंक समाधान विवतरण (दिनांक 31 मार्च, 2007 को)

विवरण	**विस्तार राशि** Rs.	**राशि** Rs.
रोकड़बही अनुसार शेष Dr.	–	9,750
जोड़ा –		
(i) निर्गमित चेक जो भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं हुआ।	1,000	
(ii) ग्राहक द्वारा बैंक में किया गया सीधा भुगतान।	400	
		1,400
घटाया –		**11,150**
(i) चेक भेजा गया पर संगृहीत नहीं।	500	
(ii) बीमा प्रीमियम बैंक द्वारा दी गई किन्तु इसे रोकड़ में नहीं लिखा गया।	700	1,200
पासबुक अनुसार शेष Cr.		**9,950**

उत्तर 13. विनियम विपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र में अन्तर – **4 अंक**

अन्तर का आधार	**विनियम विपत्र**	**प्रतिज्ञापत्र**
1 पक्षकार	विनियम विपत्र में तीन पक्षकार हो सकते है – लेखक, स्वीकर्त्ता प्रदान कर्त्ता	प्रतिज्ञापत्र में केवल दो पक्षकार होते हैं लेखक, प्राप्तकर्त्ता
2 लेखक	लेनदार द्वारा लिखा जाता है।	देनदार द्वारा लिखा जाता है।
3 आदेश एवं प्रतिज्ञा	इसमें भुगतान का आदेश दिया जाता है।	इसमें भुगतान करने की प्रतिज्ञा की जाती है।

(इसके अतिरिक्त भी तीन अन्तर हो सकते है)

अथवा

विजय की पुस्तक में – पंजी

2007	जय खाता नाम		1000	–
जनवरी 1	विक्रय खाते से		–	1000
	(माल उधार बेचा)			
जनवरी 2	रोकड़ खाता नाम		500	–
	प्राप्त विपत्र खाता नाम		500	–
	जय से		–	1000
	(भुगतान में रोकड़ व विपत्र प्राप्त किया)			
फरवरी 4	बैंक खाता नाम		498	–
	बट्टा खाता नाम		2	–
	प्राप्त विपत्र से		–	500
	(विपत्र को भुनाया)			

जय की पुस्तक में – पंजी

2007	क्रय खाता नाम		1000	–
जनवरी 1	विजय से		–	1000
	(माल उधार खरीदा)			
जनवरी 2	विजय नाम		1000	–
	रोकड़ खाते से		–	500
	देय विपत्र खाते से		–	500
	(रोकड़ व स्वीकृति दी)			
मार्च 4	देय विपत्र खाता नाम		500	–
	रोकड़ खाते से		–	500
	(विपत्र का भुगतान किया)			

www.mpboardonline.com

उत्तर 14. मूल्यह्रास की उत्पत्ति के कारण – **5 अंक**

(1) निरन्तर प्रयोग

(2) मूल पदार्थो की समाप्ति

(3) समय व्यतीत होना

(4) दूर्घटना

(5) अप्रचलन

(6) बाजार मूल्य में गिरावट

किन्ही 5 का विस्तार अपेक्षित है।

अथवा

मशीन खाता

तिथि	**विवरण**	**राशि**	**तिथि**	**विवरण**	**राशि**
2004			2004	मूल्यह्रास खाते को	
जनवरी1	रोकड़ खाते से	30,000	दिसम्बर	(i) 3000	
			31	(ii) + 600	3,600
जुलाई 2	रोकड़ खाते से	12,000			
	(10,000+2,000)		2004	शेष ले./ग.	
			दिसम्बर	(i) 27,000	
			31	(ii) +11400	38,400
		42,000			**42,000**
2005	शेष ले./ग.		2005	मूल्यह्रास खाते को	
जनवरी 1	(i) 27,000		दिसम्बर	(i) 3000	
	(ii) +11,400	38,400		(ii) +1,200	4,200
			2005	शेष ले./ग.	
			दिसम्बर	(i) 24,000	
			31	(ii) +10,200	34,200
		38,400			**38,400**
2006	शेष ले./ग.		2006	रोकड़ खाते को	14,000
जनवरी1	(i) 24,000		जुलाई 1	मूल्यह्रास खाते को	1,500
	(ii) +10,200	34,200		(6 माह)	
			2006	लाभ हानि खाते को	8,500
			दिसम्बर	मूल्यह्रास खाते को	1,200
			31	शेष ले./ग.	9,000
		34,200			**34,200**
2007	शेष ले./ग.				
जनवरी1		**9,000**			

www.mpboardonline.com

उत्तर 15. आयोजन एवं संचय में अन्तर – **5 अंक**

अन्तर का आधार	**आयोजन**	**संचय**
1 आशय	ज्ञात दायित्वों या हानियों की पूर्ति हेतु की गई व्यवस्था को आयोजन कहा जाता है।	अज्ञात दायित्वों या अनिश्चित हानियों की पूर्ति के लिए बनाये गया (लाभ) को संचय कहतेहै।
2 आवश्यकता	यह अनिवार्य रूप से की जाने वाली व्यवस्था है चाहे व्यवसाय में लाभ हो या हानि	संचय ऐच्छिक है व्यवस्था में पर्याप्त लाभ होने पर इसे बनाया जा सकता है।
3 उद्देश्य	आयोयजन का मुख्य उद्देश्य ज्ञात दायित्वों के लिए व्यवस्था करना है।	जबकि संचय का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय की आर्थिक स्थिति को सृदृढ़ करना है।

अथवा

पंजी

2006 दिसम्बर 31	लाभ हानि खाता नाम संदिग्ध ऋण आयोजन खाते से (देनदारों पर 5% संदिग्ध ऋण आयोजन करने पर)		1000 –	– 1000

लाभ–हानि

31.12.2000 के लिए

डूबत ऋण संदिग्ध ऋण आयोजन खाते से	2000 1000		

चिट्ठा

31.12.2006 के लिए

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
	Rs.	देनदार 20,000 घटा. संदिग्ध ऋण आयोजन –1,000	Rs. 19,000

उत्तर 16. तलपट खाताबही की शुद्धता का अकाट्य प्रमाण नहीं है क्योंकि तलपट के दोनों पक्षों का योग मिल जाने के बाद भी अशुद्धि हो सकती है। जैसे – **6 अंक**

भूल चूक की अशुद्धि

हिसाब संबंधी अशुद्धि

सैद्धांतिक अशुद्धि

क्षतिपूरक अशुद्धि हो जाने के बाद भी तलपट का दोनों पक्षों का योग बराबर होता है।

अथवा

एक व्यापारी का तलपट

31.12.2006 को

विवरण	खाता पृष्ठ	विकलन राशि Rs.	समाकलन राशि Rs.
बिके हुए माल की लागत,		1,50,000	—
देनदार		60,000	—
लेनदार		—	30,000
स्थायी सम्पत्तियाँ		50,000	—
व्यय		20,000	—
बिक्री		—	2,00,000
पूँजी		—	91,000
आहरण		1,000	—
प्रारंभिक रहतिया		40,000	—
योग		**3,21,000**	**3,21,000**

नोट :– बिके हुए माल की लगात दी होने के कारण प्रांरभिक रहतियां नहीं लिखा जायेगा एवं अंतिम रहतियां विकलन में लिखा जायेगा।

उत्तर 17. अदत्त व्यय – सेवा पहले प्राप्त कर ली गई लेकिन भुगतान नही किया गया।

पूर्वदत्त व्यय– पहले भुगतान किया गया सेवा बाद में ली जानी है।

उपार्जित आय–सेवा दे दी गई है लेकिन आय (मजदूरी/वेतन) मिलना बाकी है।

अनुपार्जित आय–अग्रिम प्राप्ति है जिससे संबंधित सेवा बाद में दी जायेंगी ।

अथवा

व्यापार एवं लाभ–हानि खाता

31.12.2006 को समा. होने वाले वर्ष के लिए

विवरण	राशि	विवरण	राशि
बेचे गये माल की लागत	38,000	विक्रय	60,000
सकल लाभ – ले./ग. (लाभ–हानि खाते को)	22,000		
	60,000		60,000
अप्रत्यक्ष व्यय	4,600	सकल लाभ – ले./ग. (व्यापार खाते से)	22,000
डूबत ऋण आयोजन (8000 पर 10%)	800		
स्टॉफ बोनस कोष	400		
सामान्य संचय	6,000		
शुद्ध लाभ ले./ग. (पूंजी खाते को)	10,200		
	22,000		**22,000**

स्थिति विवरण

31.12.2006 को

दायित्व	राशि	सम्मत्तियाँ	राशि
पूँजी – 20,000 शुद्ध लाभ + 10,200	30,200	स्थायी सम्पत्तियाँ	15,600
		अंतिम स्कंध	10,000
लेनदार	4,000	देनदान – 8000 घटया संचय – 800	7,200
सामान्य संचय 4,000 जो नया संचय + 6,000	10,000		
स्टॉफ बोनस कोष	400	रोकड़	12,200
अदत्त मजदूरी	400		
	45,000		**45,000**

उत्तर 18. गैर व्यापारिक संस्थाओं के आय के स्त्रोत – **6 अंक**

(1) प्रवेश शुल्क, (2) चन्दा, (3) दान, (4) आजीवन सदस्यता शुल्क

(5) ब्याज (6) किराया (7) मनोरंजन से आय

(8) पुराने अखबारों व पत्रिकाओं की बिक्री (9) वसीयत में मिली धनराशि

(10) समर्पित निधि, (11) अनुदान

(किन्ही 5 का विस्तार अपेक्षित है)

अथवा

एक साहित्य समिति का आय–व्यय खाता

31 दिसम्बर 2006 को समा. होने वाले वर्ष के लिए

विवरण	राशि	विवरण	राशि
किराया – 210 जो अदत्त किराया + 80	290	प्रदान चंदा	1,100
फुटकर	100		
विज्ञापन	210	विनियोग पर ब्याज– 380 जो. उपार्जित ब्याज + 20	400
छपाई – 125 जो अदत्त छपाई + 95	220	भाषण से आय	2,320
आधिक्य	3000		
	3,820		**3,820**

Working Note -

4% ऋणपत्र = 100 X 10 = 10,000

ब्याज $= \frac{10,000 \times 4}{100} = 400$

ब्याज मिला – 380

उपार्जित (बकाया) = 20

उत्तर 19. अवस्था विवरण व चिट्ठे में अन्तर – **8 अंक**

अन्तर का आधार	अवस्था विवरण	चिट्ठा (स्थिति विवरण)
1 स्थिति	एकल प्रविष्टि प्रणाली के आधार पर रखी गई पुस्तकों की स्थिति में अवस्था विवरण बनाया जाता है।	द्वि – प्रविष्टि प्रणाली के आधार पर रखी गई पुस्तकों की स्थिति मेंचिट्ठा बनाया जाता है।
2 उद्देश्य	पूँजी ज्ञात करना है।	व्यापार की स्थिति ज्ञात करना है।
3 तलपट	इसके बनाने के लिये तलपट नहीं बनाया जाता व यह संभव भी नहीं है।	इसे बनाने के पहले तलपट का निर्माण किया जाता है। उसके आधार पर चिट्ठा बनाया जाता है।
4 तथ्यो का घूटना	अपूर्ण लेखों के कारण किसी न किसी तथ्य के घूटने की संभावना रहती है।	सभी सौदों का लेखा किये जाने के कारण तथ्य घूटने की संभावना नहीं रहती।
5 संपत्तियों व दायित्वों का मूल्य	भौतिक निरीक्षण के आधार पर अनुमानित होता है।	वास्तविक होता है क्यों निपट प्रपंजी के शेषों पर आधारित होता है।

अथवा

अपूर्ण लेखा प्रणाली की सीमाएँ –

(1) अव्यक्तिगत लेखों की उपेक्षा

(2) तलपट बनाना संभव नही

(3) छलकपट की संभावना होना

(4) तुलनात्मक अ्ध्ययन संभव नहीं

(5) सही वित्तीय स्थिति का ज्ञान प्राप्त न होना

(6) उपयोगी आंकडें प्राप्त न होना

(7) अशुद्धि का निरूपण न होना

(8) व्यवसाय के विक्रय के समय सम्पत्तियों का उचित मूल्यांकन संभव नही।

(कोई 5 बिन्दुओं का विस्तार अपेक्षित है)

उत्तर 20. भारतीय बहीखाता प्रणाली की लोकप्रियता के कारण –

(1) वैज्ञानिक

(2) सरल एवं स्पष्ट

(3) संक्षिप्तता

(4) स्थानीय भाषाओं की लिपि

(5) सस्ती पद्धति

(विस्तार अपेक्षित है)

www.mpboardonline.com

अथवा

सर्वश्री डॉ0 अनिल की कच्ची रोकड़ बही पन्ना नं. 26 8 अंक

।। श्री गणेशाय नमः निति चेत्रसुदी 2 संवत 2063

बुधवार दिनांक 28 अक्टूबर 2006 ई.।।

जमा		नाम	
1	**2 3 4**	**5**	**6 7 8**
675)	श्री रोकड़ बाकी	250)	भाई टी. अभय के नामे 250) खाते पेटे दिये
300)	भाई श्याम मनोहर के जमा 300) खाते पेटे प्रदान	35)	श्री वेतन खाते नामे 35) माह फागुन का वेतन चुकाया
120)	श्री माल खाते जमा 120) नकद बिक्री	338)	श्री माल खाते नामे 338) भाई मुरारीलाल से माल खरीदा
338)	श्री मुरारी के जमा 338) माल उधार खरीदा		723)
	1433	810	श्री रोकड़ बाकी 1,433